विकास | दिसंबर तक मेट्रो 3 के पहले चरण का संचालन, 85 प्रतिशत कार्य हो चुका है पूरा

एशिया में सबसे लंबी होगी भूमिगत मुंबई मेट्रो

सूर्यप्रकाश मिस्त्र@नवभारत

मुंबई. एशिया की सबसे लंबी और मुंबई की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है. जापान सरकार के वित्तीय सहयोग से शुरू मेट्रो 3 का पहला चरण लगभग 85 प्रतिशत पूरा हो चुका है. जबकि ओवरऑल ट्रैक बिछाने का काम लगभग 57 प्रतिशत पूरा हो चुका है. राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि मुंबई मेट्रो 3 देश की ही नहीं, बल्कि एशिया की सबसे लंबी भूमिगत मेट्रो होगी. कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज तक लगभग 33.50 किमी लंबी अंडर ग्राउंड मेट्रो 3 की टनलिंग का काम शतप्रतिशत होने के बाद सुरंग के अंदर ट्रैक बिछाने और स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है. बताया गया कि पिछले सप्ताह तक 56.8 प्रतिशत भूमिगत ट्रैक का काम पूरा हो चुका है. इसके साथ स्टेशन बिल्डिंग, ओसीसी, ओएचई, एमईपी वर्क भी चल रहा है. उपमुख्यमंत्री के अनुसार पहले चरण में सरिपुत नगर से बीकेसी के बीच दिसंबर 2023 तक भूमिगत मेट्रो दौड़ाने का लक्ष्य एमएमआरसीएल ने बनाया है.

लगातार कार्यों की समीक्षा कर रहीं एमडी अश्विनी

राज्य सरकार के अनुसार बहुचर्चित आरे कारशेड का काम मात्र 6 माह में 54 प्रतिशत पूरा हो गया है. यहां भी ट्रैक का काम तेज गति से हो रहा है. एमएमआरसीएल की एमडी अश्विनी भिड़े लगातार मेट्रो 3 के कार्य की समीक्षा कर रहीं हैं. मेट्रो 3 के संचालन के साथ कार शेड भी रेडी कर दिया जाएगा. आरे से लेकर बीकेसी तक ट्रैक बिछाने का लगभग 85 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है. इसके साथ दूसरे फेज में बीकेसी से लेकर कफपरेड तक लाइन बिछाने का काम 57 प्रतिशत तक हो गया है. आरे स्टेशन के सिविल वर्क के काम के साथ ओएचई, एमईपी का काम तेज गति से चल रहा है.

टेस्टिंग शुरू

बताया गया कि मेट्रो 3 का पहला चरण शुरू करने के लिए 9 रेक की आवश्यकता होगी. इसके पहले 2 रेक मिल चुके हैं, जिनकी टेस्टिंग सरिपुट नगर से मरोल नाका तक हो रही है. इसी महीने के अंत तक 2 और रेक आने वाले हैं. बाकी रेक शेड्यूल के अनुसार आएंगे.

31 रेक की जरूरत

एमएमआरसीएल को मेट्रो-3 के 33 किलोमीटर के रूट पर ऑपरेट करने के लिए कुल 31 रेक की जरूरत होगी. सरकार भी चाहती है कि 2024 लोकसभा चुनाव के पहले मुंबईकर पूरी तरह पहली अंडरग्राउंड मेट्रो के सफर का आनंद ले सकें.